शांत मन से ही मानव जीवन आनंदकारी होगा : दादी

राजनितिक प्रभाग द्वारा राजनीतिज्ञों हेतु सम्मेलन का आयोजन

राजनीतिज्ञों के साथ दादी हृदयमोहिनी दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए। साथ हैं ब्र.कु. बृजमोहन।

ओ.आर.सी.-गुडगांव। वर्तमान समय मन की शान्ति की बहुत आवश्यकता है। मन अगर शान्त नहीं है तो मानव जीवन आनंदकारी नहीं हो सकता। हमें ये मानव जीवन इसलिए मिला है कि हम श्रेष्ठ कार्य करें। उक्त विचार गुड़गांव के ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर में ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी **दादी हृदयमोहिनी** ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में हम जो चाहें वो कर सकते हैं। हमारे अंदर अच्छे और बुरे की पूरी समझ है।

आम आदमी पार्टी के विधायक **सोमनाथ भारती** ने कहा कि जब हम निमित्त भाव और परमात्मा को समर्पित होकर सेवा करते हैं तो जीवन में तनाव स्वतः ही कम हो जाता है। तनाव का असली कारण मैं और मेरेपन से आता है। मैं जब से ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़ा हूँ, मेरे अंदर बहुत बड़ा परिवर्तन आया है।

पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री **कुमारी शैलजा** ने कहा कि वर्तमान में तनाव का जीवन से गहरा नाता है। बचपन से ही बच्चों में पढ़ाई का तनाव पैदा हो जाता है। अगर हम राजनीतिक स्तर पर अपने पद एवं पोज़ीशन का सही उपयोग करते हैं, जनहित में करते हैं तो तनाव नहीं होता। उन्होंने इस अद्भुत प्रयास के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था की दिल से प्रशंसा की।

पूर्व सांसद **हरीश सिंह नालवा** ने कहा कि अगर तनावमुक्त रहना है तो कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। दूसरों को झूठे आश्वासन नहीं देने चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जब राजनीति में सेवाभाव से आते हैं तो हमें ईमानदारी से काम करना चाहिए।

ब्र.कु.बृजमोहन ने बताया कि जब तक हम स्वयं को नहीं जानेंगे तब तक तनाव से मुक्त नहीं हो सकते। जब हम स्व-स्वरूप को पहचान कर अपने मूल्यों और गुणों का बोध कर लेते हैं तो जीवन में सरलता आ जाती है।

अशोक वाल्मिकी, राज्यमंत्री, सफाई कर्मचारी आयोग,मध्य प्रदेश ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सबसे पहले परमात्मा का धन्यवाद करना चाहता हूँ जिसने हमें इतने सुंदर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत वातावरण में एकत्र किया। उन्होंने कहा कि तनाव होता है, लेकिन जब एक जनप्रतिनिधि निःस्वार्थ भाव से सेवा करता है तो उसे तनाव का सामना नहीं करना पड़ता।

अरुण शर्मा,पूर्व सांसद,असम ने कहा कि जबसे मैं ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़ा, मैंने अपने जीवन में तनाव के स्तर में बहुत परिवर्तन पाया। ओ.आर.सी. की निदेशिका **ब्र.कु. आशा** ने बताया कि तनाव का मूल कारण आत्मिक शक्तियों का अभाव है। आज हम जनसेवा तो करते हैं लेकिन बिना आध्यात्मिकता के हमें सही परिणाम नहीं मिलते। आध्यात्मिकता हमारे अंदर आत्मिक शक्तियों का संचार करती है और हम रिचार्ज हो जाते हैं। इस अवसर पर गंगाराम जी,पूर्व विधायक, आन्ध्र प्रदेश ने अपने आध्यात्मिक जीवन का अनुभव सभी के साथ साझा किया। मैसूर से आईं ब्र.कु. लक्ष्मी ने सबको योग के द्वारा बहुत गहन शान्ति का अनुभव कराया।

महानुभावों के शब्द संक्षेप

- मन शांत नहीं तो जीवन नहीं होगा आनंदकारी : दादी
- तनाव का असली कारण मेरे-पन से है:सोमनाथ भारती
- पद का सही उपयोग और जनहित कार्य से कम होता है तनाव : कुमारी शैलजा
- स्वयं को जानने से हम होंगे तनावमुक्त : ब्र.कु. बृजमोहन
- आत्मिक स्थिति का अभाव तनाव का मूल कारण : ब्र.कु. आशा

कर्मों को देखने के नज़रिये से बदल जायेगी ज़िंदगी: शिवानी

चण्डीगढ़। आपकी ज़िन्दगी में जो लोग मुश्किलें देते नज़र आते हैं उनका आपसे पिछले जन्मों का हिसाब किताब होता है। ज़रूर पिछले जन्म में आपने कुछ ऐसा कर्म किया होगा। अब विकल्प यह है कि आप प्रतिक्रिया के बदले में प्रतिक्रिया न करें। उक्त उद्गार जे डब्ल्यू मेरियट होटल में `सहज राजयोग द्वारा हेल्दी और हैप्पी समाज का निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. शिवानी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि प्रेमपूर्वक व्यवहार करके आप अपने सुनहरे भाग्य का निर्माण कर सकते हैं। हमें अपनी सोच के बारे में इतना सतर्क रहना चाहिए कि किसी के लिए नकारात्मक भावना ही न पनपे, क्योंकि सोचना मात्र कर्म बन जाता है जिसका हमें फल भोगना ही पड़ता है।

उन्होंने इस बात को गलत बताया कि जो कुछ हमारे साथ घटित होता है वह ईश्वर द्वारा किया हुआ है बल्कि जो कुछ होता है वह हमारे कर्मों का ही फल होता है।

उनका यह भी कहना था कि जिन लोगों की दुर्घटनाओं या हादसे में मृत्यु होती है, जैसे कि नेपाल देश में भूकम्प में लगभग 8000 लोगों की मृत्यु हुई तो वे 8 मास के अंदर नया जन्म लेंगे। ऐसी आत्माएं अपने आखिरी जन्म का दर्द साथ लेकर अपने अगले जन्म में जायेंगी। ये आत्माएं नये जन्म में जो व्यवहार करेंगी वह दर्द से प्रेरित होगा, उसे कोई समझ नहीं पायेगा और उसके साथ गलत व्यवहार करेगा। उन्होंने कहा कि सभी को उन बच्चों के साथ प्यार से ही व्यवहार करना चाहिए और उनके पिछले जन्म के दर्द को समाप्त करने में उनका सहयोगी बनना चाहिए।

कानून और अनुशासन के बिना समाज नहीं कर सकता तरक्की : दीपा शर्मा

न्यायविदों के त्रिदिवसीय सम्मेलन में सम्मिलित हुए देशभर के न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोग

- समाज के विकास के लिए आध्यात्मिकता को करना पड़ेगा न्याय प्रणाली में शामिल : दीपा शर्मा
- आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न व्यक्ति ही बिना भेदभाव के कर सकता है न्याय: दादी रतनमोहिनी
- कानून का सही उपयोग ना होना, हमारी गलत शिक्षा प्रणाली का नतीजा : श्रीकृष्ण देवा राव

सभी न्यायविदों को दिया गया न्यायिक प्रक्रिया को पारदर्शी करने का परामर्श

शांतिवन। कानून और अनुशासन के बिना कोई भी समाज तरक्की नहीं कर सकता है। समाज के विकास के लिए कुछ नियम व कानून बनाए गए हैं, हमें उनका पालन करना चाहिए। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के न्यायविद प्रभाग द्वारा `विधि एवं आध्यात्मिकता के महत्वपूर्ण संबंध का पुनरावलोकन' विषय पर देश भर से न्यायविद के क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों के लिए आयोजित सम्मेलन में दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश **दीपा शर्मा** ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली यह मानती है कि कोई भी व्यक्ति गलत नहीं होता है। वह परिस्थितियों के वश होकर गलत कार्य कर बैठता है। यदि उसे सही रूप से प्रेरित किया जाए, तो वह भी समाज का अच्छा नागरिक बन सकता है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न व्यक्ति -शेष पेज 5 पर..

न्यायविदों के सम्मेलन में मंचासीन हैं ब्र.कु. रमेश शाह, जस्टिस दीपा शर्मा, दादी रतनमोहिनी व अन्य।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15 June 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।